MJC-3/MIC-3/MDC-3

DATE 09 02 2026

Socialization : Meaning and Definition

* जन्म के समय मानव प्राणी न तो सामाजिक होता है और न ही समाज विरोधी।

* जन्म के समय वह केवल रक्त, माँस, और नैसर्गिक प्रवृत्तियों से बना हुआ एक जैविकीय प्राणी मात्र होता है।

* जैसे-जैसे मानव बड़ा होता है त्यों-त्यों वह जैविकीय प्राणी से सामाजिक प्राणी के रूप में परिवर्तित होने लगता है। यह परिवर्तन की प्रक्रिया का नाम समाजीकरण है।

* समाजशास्त्री क्यूबर (Cuber) — मानव का व्यक्तित्व जन्म से ही पूर्ण नहीं होता है। जन्म के समय उसके पास न भाषा होती है, न समझ, न कोई विचार, न कोई विश्वास, वह न कोई नियम जानता है और न ही संस्कृति। लेकिन सामाजिक सीख की एक लम्बी प्रक्रिया और अनुभवों द्वारा उसमें व्यक्तित्व सम्बन्धी बहुत-से सामाजिक गुणों का समावेश हो जाता है। परिवर्तन और संचरण की इसी प्रक्रिया का नाम समाजीकरण है।"

* समाजीकरण की प्रक्रिया व्यक्ति और समाज के व्यक्ति सम्बन्धों को समझने का आधार है। इसी के कारण मनुष्य में संस्कृति को विकसित करने की क्षमता पैदा हो सकी है। यही वह सामान्य आधार है जो जीवशास्त्र, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान और मानवशास्त्र को एक-दूसरे के निकट ले जाता है।

classmate

PAGE